Return of the spent fuel to the USSR

*352. SHRIMATI VEENA VERMA:
SHRI KAPIL VERMA:

Will the PRIME MINISTER be pleased to state:

(a) whether an agreement to return to the USSR the spent fuel from the Soviet Reactors being set up in the country would effect our right to retain the spent fuel purchased from United States for use at the Tarapore Atomic Power Plant; and

(b) if so, in what manner and what would be its implications?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF SCIENCE AND TECHNOLOGY AND THE MINISTER OF STATE IN THE DEPARTMENTS OF OCEAN DEVELOPMENT, ATOMIC ENERGY, ELECTRONICS AND SPACE (SHRI K. R. NARAYANAN): (a) No. Sir.

(b) Does not arise.

Merger of various agencies engaged in rural development

*353. SHRI M. VINCENT: Will the Minister of PLANNING be pleased to state:

(a) whether there is a proposal to merge the various agencies engaged in the spheres of rural development, social welfare and vocational literacy; and

(b) if so, what are the details thereof?

THE MINISTER OF PLANNING AND THE MINISTER OF PROGRAMME IMPLEMENTATION (SHRI MADHAVSINH SOLANKI): (a) and (b) The need for integrating the activities and streamlining the various agencies involved in rural development is recognized. The manner of achieving this is under study as a part of formulation of Eighth Five Year Plan.

Reservation for women in Government jobs

*354. SHRI KAPIL VERMA:
SHRIMATI VEENA VERMA:

Will the PRIME MINISTER be pleased to state:

(a) whether Government propose to reserve 30 per cent of Government jobs for women; if so, the details thereof;

(b) the names of the categories of jobs for which this reservation would be made;

(c) whether it would benefit the candidates of the All India Services and the State Services also; and

(d) by when the proposal would be implemented?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF PERSONNEL, PUBLIC GRIEVANCES AND PENSIONS AND THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF HOME AFFAIRS (SHRI P. CHIDAMBARAM): (a) to (d) A proposal to reserve for women jobs in Government is under preliminary extmination.

दिल्ली के सरकारी हस्पतालों में बेहोश करने वाली मिलावटी गैस

*355. **श्री संतोष बागड़ोदिया** : क्या **स्वास्थ्य और परिवार कल्याण** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि दिल्ली के अनेक सरकारी हस्पतालों में आपरेशन से पूर्व बेहोश करने के लिए प्रयोग में लाई जाने वाली नाइट्रस आक्साइड गैस में अमोनिया की मिलावट पायी गई है ;

(ख) यदि हां, तो मिलावट वाली उक्त गैस के कारण अब तक कितने मरीज प्रभावित हुए हैं;

(ग) इन हस्पतालों में नाइट्रस आक्साइड गैस किन कम्पनियों द्वारा सप्लाई की जाती है;

(घ) क्या दोषी पाई गई कम्पनियों के विरुद्ध कार्यवाही की गई है, और

(ङ) यदि हां, तो इस संबंध में ब्योरा क्या है, और यदि नहीं, तो उसके क्या कारण है ?

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय में राज्य मंत्री (कुमारी सरोज खापर्डे) : (क) से (ङ) लोकनायक जयप्रकाश नारायण और गोबिन्द बल्लभ पन्त अस्पताल ने, जो दिल्ली प्रशासन के अधीन है, और अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान ने नाइट्रस आक्साइड गैस के प्रदूषित होने की सूचना दी है। नौ मरीज को इससे प्रभावित होना बताया गया है।

मै. सुपीरियर एयर प्रोडक्ट्स लिमिटेड और मै. इंडियन आक्सीजन लिमिटेड नामक दो कम्पनियों ने इन अस्पतालों को नाइट्रस आक्साइड गैस सप्लाई की थी। केवल मै. सुपीरियर एयर प्रोडक्ट्स लिमिटेड द्वारा की गई सप्लाई में अस्पताल प्राधिकारियों द्वारा प्रदूषण सूचित किया गया है।

इन अस्पतालों से प्राप्त शिकायतों के आधार पर केन्द्रीय औषध मानक नियंत्रण संगठन, उत्तर जो तथा दिल्ली प्रशासन के अधिकारियों द्वारा छानबीन की गई थी। जांच करने वाले अधिकारियों की रिपोर्ट के अनुसार इन अस्पतालों द्वारा खरीदी गई नाइट्रस आक्साइड गैस में तीखी गन्ध पाई थी। मै. सुपीरियर एयर प्रोडक्ट्स लि. द्वारा तैयार की गई गैस के एक बैच के तीन नमूनों की जांच कर रहे अधिकारियों के सुपरविजन में इस फर्म की गुणवत्त नियंत्रण प्रयोगशाला में जांच की गई थी। जांचे गए सभी नमूने भारतीय भेषज संहिता में निर्धारित मानकों के अनुरूप पाए गये थे, सिवाय इसके कि इनमें केवल तीखी गन्ध ही आ रही थी। इसलिए संबंधित अस्पतालों को इस फर्म द्वारा तैयार की गई नाइट्रस आक्साइड का प्रयोग न करने का निर्देश दे दिया गया था।

अधिकारियों द्वारा प्रस्तुत की गई इस निरीक्षण रिपोर्ट पर जिसमें कुछ कमियों के होने का जिक्र किया गया था, राज्य औषध नियंत्रक, हरियाणा ने 29 जुलाई, 1988 से इस गैस का फर्म द्वारा निर्माण बन्द कर दिया था। बाद में उप राज्य औषध नियंत्रक, हरियाणा ने 18-8-1988 को केन्द्रीय औषध मानक नियंत्रण संगठन, उत्तर जोन के अधिकारियों के साथ मिलकर एक और निरीक्षण किया। इन अधिकारियों ने सूचित किया कि कमियों को दूर कर दिया गया है और राज्य औषध नियंत्रक, हरियाणा ने 3-10-88 से नाइट्रस आक्साइड गैस का इस फर्म द्वारा फिर से निर्माण करने की अनुमति दे दी।

Demands of doctors employed in the Central Services

*356. SHRIMATI SUDHA VIJAY JOSHI: Will the Minister of HEALTH AND FAMILY WELFARE be pleased to state:

(a) whether the doctors employed in the Central Services and under the Delhi Administration went on a strike in 1987 to press for their demands regarding promotional avenues, allowances; etc.;

(b) whether it was suspended on certain assurances of fulfilment given by Government;

(c) if so, what were those assurance and whether those assurances have actually been fulfilled;

(d) whether Government are aware that associations of the doctors intend to revive their agitation again on the ground that their demands have not been fully met so far; and

(e) if so, Government's reaction thereto?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF HEALTH AND FAMILY WELFARE (KUMARI SAROJ KHAPARDE): (a) Yes, Sir.

(b) The strike was called off on the appeal of the Minister for Health and Family Welfare.

(c) The Government announced a package of benefits to improve the emoluments